ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-08-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-08-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-08-27	2025-08-28	2025-08-29	2025-08-30	2025-08-31
वर्षा (मिमी)	35.0	20.0	8.0	8.0	18.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	34.0	34.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.1	26.1	25.9
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	86	87	88	89
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	90	90	90
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	7	7	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	100	110	120	100	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	8	8
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (19 से 25 अगस्त) क्षेत्र में 1.6 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.4 से 34.5oC और 25.5 से 26.3oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 83-87% और 64-79% के बीच रही, जबकि हवा पूर्व, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से 3.2 से 7.0 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह कुछ दिन बादल छाए रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 8-35 मिमी हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0-34.0oC और 25.9-26.1oC रहने की उम्मीद है। हवा पूर्व-दक्षिण, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-पूर्व दिशा से 3-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह के दौरान अलग-अलग स्थानों पर गरज/बिजली और तीव्र वर्षा होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

अलग-अलग स्थानों पर आंधी/बिजली/तीव्र वर्षा।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कृषि गतिविधियों में व्यवधान। तेज़ हवाओं के दौरान कृषि गतिविधियों में देरी की जानी चाहिए और भारी बारिश की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 22.08.2025 से 28.08.2025 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी की भविष्यवाणी के अनुसार, हल्की वर्षा वाले दिनों में कृषि गतिविधियां निर्धारित की जा सकती हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में जीवाणु झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते हैं जैसे पत्तियों पर पानी से भरे धब्बे और उनका धीरे-धीरे बढ़कर लंबी धारियाँ बन जाना। ये धारियाँ धीरे-धीरे हल्के भूरे रंग की हो जाती हैं। इस रोग को खेत में फैलने से रोकने के लिए खेत में जलभराव की स्थिति न रखें। इसके साथ ही, नाइट्रोजन का प्रयोग फिलहाल बंद कर देना चाहिए और रोग के अत्यधिक प्रसार की स्थिति में 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन तथा 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। यह छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए। सभी कृषि कार्य साफ मौसम में ही करें और भारी बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय करें।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) दिखाई देने पर मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लू पी को 1.5-2.0 किग्रा मात्रा में 750-800 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़कें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करें। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मीवर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी को 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़कना चाहिए। हालाँकि, सभी रसायनों का प्रयोग और खेती का काम साफ़ मौसम में ही करना चाहिए और जलभराव की स्थिति में जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए।
काला चना	तीव्र वर्षा की स्थिति में ताजा बोए गए भूखंडों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए, जबकि पिछले महीने बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई जैसी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मूँग	तीव्र वर्षा की स्थिति में ताजा बोए गए भूखंडों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए, जबकि पिछले महीने बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई जैसी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में, बुवाई के 15-20 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और खरपतवारों को रासायनिक रूप से नष्ट करने के लिए, पेंडीमेथालिन 30 ई.सी. की 3.3 लीटर मात्रा या एलाक्लोर 50 ई.सी. की 4 लीटर मात्रा को 500-700 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के अंकुरण से पहले छिड़कना चाहिए। शेष जिप्सम और बोरेक्स की पूरी मात्रा को 3 सप्ताह पुरानी फसल में टॉप ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग करना चाहिए और हल्की गुड़ाई करके 3-4 सेमी गहराई तक अच्छी तरह मिला देना चाहिए। कोई भी रासायनिक प्रयोग साफ मौसम में ही करना चाहिए और भारी वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति में जल निकासी की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।
गन्ना	आवश्यकतानुसार फसल की दूसरी बार बाँधाई करें और यह पहली बाँधाई से 50 सेमी ऊपर होनी चाहिए। दो पंक्तियों के तीन डंठलों को आपस में बाँधना चाहिए (कैंची बाँधना)। सफेद इल्ली के प्रकोप की स्थिति में फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। जलभराव की स्थिति में, उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए और रसायनों का छिड़काव साफ़ मौसम में करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी की मध्य-मौसम किस्मों को रोपा जा सकता है तथा अगेती किस्मों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
कद्दू	पकी हुई कद्दूवर्गीय फसल को सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करना चाहिए तथा खड़ी फसल में अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर पत्तियों को पलटकर जांच करनी चाहिए तथा यदि

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग का कवक उगता हो तो उसे नियंत्रित करने के लिए 2.5 ग्राम/ लीटर मैन्कोजेब के घोल का छिड़काव करना चाहिए। रसायन का छिड़काव साफ मौसम में करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जलजनित रोगों से बचाव के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जाँच करानी चाहिए। इससे बचने के लिए, संग्रहित पानी में 1:1000 के अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुरोधी दवाएँ मिलाएँ। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन के घोल या 5% नीले रंग के घोल में डुबोकर रखना चाहिए। गल-घोटू रोग से पशुओं को बचाने के लिए, उन्हें साफ़-सुथरी जगह पर बाँधें। जब पशुओं में गल-घोटू रोग के लक्षण दिखाई दें, तो पशु चिकित्सक की सलाह से तीन दिनों तक पशुओं की नसों में सुफोनामाइड्स जैसे सल्फामेथाज़िन या सल्फाडिमिडीन 150 मि.ग्रा. प्रति किग्रा. का इंजेक्शन लगाएँ।
गाय	जलजनित रोगों से बचाव के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जाँच करानी चाहिए। इससे बचने के लिए, संग्रहित पानी में 1:1000 के अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुरोधी दवाएँ मिलाएँ। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन के घोल या 5% नीले रंग के घोल में डुबोकर रखना चाहिए। गल-घोटू रोग से पशुओं को बचाने के लिए, उन्हें साफ़-सुथरी जगह पर बाँधें। जब पशुओं में गल-घोटू रोग के लक्षण दिखाई दें, तो पशु चिकित्सक की सलाह से तीन दिनों तक पशुओं की नसों में सुफोनामाइड्स जैसे सल्फामेथाज़िन या सल्फाडिमिडीन 150 मि.ग्रा. प्रति किग्रा. का इंजेक्शन लगाएँ।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कृषि गतिविधियों में व्यवधान।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

तेज़ हवाओं के दौरान कृषि गतिविधियों में देरी की जानी चाहिए और भारी बारिश की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details